भास्कर ब्रेकिंग • एक खबर 3 फायदे...पर्यावरण सुधरेगा, वाहनों का मेंटेनेंस व जेब खर्च घटेगा

अक्टूबर से शहर में सीएनजी से चलेंगे वाहन, पेट्रोल से आधा खर्च लगेगा

अभी तीन पंप खुलेंगे, घरेलू गैस भी कम करेगी घर खर्च

प्रवीण धींगरा | जोधपुर

पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों और कोरोना से उपजे हालातों के बीच शहर के लोगों का खर्च बचाने और प्रदूषण कम करने वाली अच्छी खबर आई है। शहर में अब वाहनों के लिए नेचुरल गैस (सीएनजी) की आपूर्ति शुरू होने जा रही है। इसके लिए सिंगापुर की कंपनी ने तैयारी कर ली है। इस माह के आखिरी सप्ताह या अक्टूबर के शुरुआती दिनों में सीएनजी के पम्प शहर में शुरू हो जाएंगे। हालांकि कंपनी ने अभी सीएनजी रेट का खुलासा नहीं किया है, लेकिन माना जा रहा है कि इससे वाहन चलाने पर पेट्रोल की तुलना में 53% तो डीजल की तुलना में 28% बचत होगी। ऑटोमोबाइल कंपनियां व डीलर्स भी सीएनजी से चलने वाले वाहनों की रेंज जोधपुर में मुहैया करवाने की तैयारी कर रहे हैं।

करीब एक साल पहले सिंगापुर बेस कंपनी एजीपी सीजीडी इंडिया प्राइवेट लिमि टेड ने शहर के घरों, इंडस्ट्रीयल एरिया में पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी प्रोजेक्ट शुरू किया था। कंपनी ने अपना प्लांट सालावास में स्थापित कर लिया है और पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा है। बताया गया है कि अगले कुछ दिनों बाद शहर में सीएनजी के तीन पंप शुरू हो जाएंगे। बाद में इनकी संख्या बढ़ती जाएगी। कंपनी के चीफ ऑपरेशन ऑफिसर मनीष गोस्वामी के मुताबिक प्लांट का काम लगभग पूरा हो गया है और अब पाइप लाइन का काम तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं।

ऐसे समझें...हमारी जेब व वाहन को क्या फायदा

- शहर में अभी पेट्रोल करीब 89 रुपए तो डीजल 82 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। पेट्रोल वाहन जहां 15 से 20 किमी प्रति लीटर का माइलेज देते हैं तो डीजल वाहन 22 के आसपास।
- **जयपुर में अभी सीएनजी की रेट 55 रुपए प्रतिकिलो है। जोधपुर में यदि यह 60 रुपए प्रति किलो भी मिलती है तो पेट्रोल से सस्ती रहेगी।**
- सीएनजी से बेहतर परिस्थितियों में वाहन 20 से 22 किमी प्रति किलोमीटर का माइलेज मिलता है। ऐसे में जहां पेट्रोल वाहन पर प्रति किमी करीब 6 रुपए, डीजल पर पौने चार, वहीं सीएनजी वाहन पर पौने तीन रुपए खर्च ही आएगा।

सालावास में सीएनजी व पीएनजी के लिए लगाया गया प्लांट

रसोई गैस में सुरक्षा के साथ आधे खर्च का फायदा

शहर में अभी रसोई गैस का 14.2 किलो का सिलेंडर 601 रु. में मिल रहा है। अब सब्सिडी भी बंद कर दी गई है। पाइप लाइन से पीएनजी घरों तक पहुंचने के बाद उपभोक्ता जितनी खर्च करेगा, उतना बिल आएगा। ना सिलेंडर बुक करवाने का झंझट, ना वजन ना लीकेज का खतरा। सुरक्षा ज्यादा इसलिए कि पीएनजी हल्की गैस होने से हवा में ऊपर की ओर जाती है तो एलपीजी नीचे रहती है। बताया गया है कि एक एलपीजी सिलेंडर को जिन बेहतर परिस्थितियों में उपयोग में लिया जाता है, उस स्थिति में पीएनजी इसकी आधी मात्रा में ही उपयोग आती है, ऐसे में रसोई में गैस का खर्च 300 रुपए के आसपास ही रह सकता है।

पेट्रोल वाहनों में 10 हजार में लग सकेंगे किट

सीएनजी लाने वाली कंपनी ने ऑटोमोबाइल कंपनियों से बात कर ली है तो डीलर्स भी तैयारी में जुट गए हैं। इधर, शहर के कुछ मैकेनिक ने मौजूदा पेट्रोल चलित कारों में सीएनजी किट अधिकृत रूप से लगाने के लिए लाइसेंस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मौजूदा पेट्रोल कारों में सीएनजी किट लगवाने का खर्च 10 से 50 हजार रुपए तक आ सकता है। बाजार में करीब 20 तरह के किट मौजूद हैं। इसके अलावा आरटीओ व इंश्योरेंस में सीएनजी की एंट्री करवाने के लिए करीब पांच हजार रुपए तक खर्च करने होंगे।